दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय
गोरखपुर-273001
(नैक प्रत्यायित 'B++' श्रेणी)
सम्बद्ध
दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर

☎ & Fax : 0551-2334549
: 09792987700
e-mail : dnpggkp@gmail.com
website : www.dnpgcollege.edu.in

दिनांक :02.05.2026

प्रकाशनार्थ

गोरखपुर, 2 मई 2026, दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय के हिंदी विभाग, साहित्यार्चन एवं गोरखनाथ साहित्यिक केंद्र के संयुक्त तत्वावधान में 'शिक्षा एवं कृत्रिम बुद्धिमत्ता : NEP के संदर्भ में' विषय पर विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य वक्ता जी. बी. पंत सामाजिक विज्ञान संस्थान के निदेशक एवं प्रयागराज विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग के प्रो. योगेंद्र प्रताप सिंह ने कहा कि एन ई पी वास्तव में एक नीति है, जिसके पालन के लिए वर्तमान व्यवस्था को गंभीरता से सोचना होगा। उन्होंने कहा, "कई बार योजनाएं तो अच्छी बनती हैं, पर उनका उचित क्रियान्वयन न होने से अपेक्षित परिणाम प्राप्त नहीं होता है" और शिक्षा के क्षेत्र में प्रयोगों पर जोर देते हुए कहा कि समाज में सबसे अधिक प्रयोग शिक्षा के क्षेत्र में ही होते हैं। आवश्यकतानुसार दूसरों को देखकर भी हम विकास की दिशा में आगे बढ़ने का प्रयास करते हैं।

उन्होंने वैदिक परंपरा का उल्लेख करते हुए कहा कि मौखिक परंपरा समय के साथ बदली नहीं, बल्कि और सशक्त हुई है। "आज कंप्यूटर संदर्भों के अनुकूल शब्दों को चिन्हित कर व्याख्या देने में सक्षम है। पश्चिमी जगत में विशिष्टता के अभ्युदय ने हमारी संपूर्णता की दृष्टि को कमजोर किया है," उन्होंने आगे कहा कि दर्शन के आगे साहित्य आता है और उपनिषदों व कथाओं के माध्यम से हम वैज्ञानिक दृष्टि से बातों को स्पष्ट कर सकते हैं। अब मनुष्य की भाषा के समानांतर कंप्यूटर पर भाषा का स्तर भी विकसित हो चुका है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. ओम प्रकाश सिंह ने कहा कि मनुष्य की आवश्यकता केवल रोटी, कपड़ा और मकान नहीं है। शरीर, मन, बुद्धि और आत्मा का समुच्चय ही मनुष्य के व्यक्तित्व के अंतर्गत आता है। इसलिए विचार, व्यवहार व संस्कारों की पूर्ति के लिए शिक्षा एक महत्वपूर्ण साधन है।

उन्होंने कहा कि "दुनिया के लिए गुरुकुल का मॉडल अनुकरणीय है। हमारी ऋषि परंपरा में इस पर विशेष जोर दिया गया है। शिक्षा को केवल सूचनाओं का संग्रह नहीं, बल्कि चरित्र निर्माण का माध्यम बनाना होगा।"

इस दौरान बी.सी.ए. तृतीय वर्ष के विद्यार्थियों को उनके द्वारा किए गये प्रोजेक्ट कार्यों के अंतर्गत किये गये शोध पर आधरित शोध–पत्र अंतर्राष्ट्रीय जनरल में प्रकाशित हुआ है जो न सिर्फ समाज के लिए उपयोंगी है बल्कि कल्याणकारी भी है इसके लिए वैष्णवी मिश्रा, नम्रता पाण्डेय, हर्ष शुक्ला समेत 26 छात्र/छात्राओं को प्रस्सति–पत्र देकर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम का संचालन डॉ. विभा सिंह ने तथा आभार ज्ञापन हिंदी विभाग के प्रभारी प्रो. नित्यानंद श्रीवास्तव ने किया। इस अवसर पर IQAC समन्वयक प्रो. परीक्षित सिंह, डॉ. राकेश सिंह, डॉ. अदिति, डॉ. रीतू सिंह, डॉ. सुनील सिंह, डॉ. मुदित दुबे, श्री नवीन सिंह, विकास पाठक सहित प्राध्यापक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

डॉ. सुनील कुमार सिंह
सह–मिडिया प्रभारी

दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय
गोरखपुर-273009
(नैक प्रत्यायित 'B' श्रेणी)
सम्बद्ध
दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर

☎ & Fax : 0551-2334549
: 09792987700
e-mail : digvijayans@gmail.com
: dnpggkp@gmail.com
website : www.dnpgcollege.edu.in

प्रकाशनार्थ

दिग्विजयनाथ के छात्रों ने सुशासन दिवस पर लहराया परचम

गोरखपुर 26 दिसम्बर, 2024। श्रद्धेय भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी बाजपेयी जी के जन्म शताब्दी समारोह के अवसर पर उत्तर प्रदेश शासन द्वारा आयोजित सुशासन सप्ताह के अन्तर्गत आयोजित एकल भाषण प्रतियोगिता और काव्य पाठ में दिग्विजयनाथ पी.जी. कालेज के छॉत्रों का दबदबा रहा।

23 दिसम्बर 2024 को संवाद भवन में आयोजित जनपद स्तरीय भाषण में बी.एड. प्रथम सेमेस्टर के छात्र प्रद्युम्न दूबे को पूरे जनपद में प्रथम स्थान प्राप्त हुआ। 25 दिसम्बर को सुशासन दिवस पर प्रद्युम्न दूबे को प्रशस्ति पत्र एवं रू0 10,000/– का चेक उत्तर प्रदेश शासन की ओर से विकास भवन में प्रदान किया गया।

भाषण का विषय ''अटल जी एवं सुशासन'' था। इसके साथ ही साथ अटल जी द्वारा रचित कविता पाठ का भी आयोजन किया गया जिसमें क्षमा पाण्डेय को द्वितीय स्थान और आकाश को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। क्षमा पाण्डेय को प्रशस्ति पत्र व रू0 5,000/– का चेक तथा आकाश को प्रशिस्त पत्र के साथ रू0 2,500/– का चेक प्राप्त हुआ। तदोपरान्त 26 दिसम्बर को महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो.(डॉ.) ओम प्रकाश सिंह जी ने भी महाविद्यालय के छात्रों को सम्मानित कर उन्हे भविष्य की शुभकामनाएं दी।

(डॉ.) शैलेश कुमार सिंह,
प्रभारी, सूचना एवं जनसम्पर्क